Annexure - ‘ A ’

हिन्दी पाठ्यक्रम – ‘अ’

2011 -13

(कोड सं-002)

कक्षा – 10

संकलित परीक्षा II

संकलित परीक्षा 2 (एस ए 2) हेतु भार विभाजन (अक्टूबर-मार्च)		कुल भार %
विषय वस्तु	अंक	
अपठित बोध	20	30%
व्याकरण	20	
पाठ्यपुस्तक व पूरकपाठ्यपुस्तक **पाठ्यपुस्तकों से मूल्यपरक प्रश्न** } *	36 4 } 40	
लेखन	10	
रचनात्मक मूल्यांकन (एफ ए -3 व एफ ए -4)		20%
कुल भार		50%

प्रश्न पत्र में 3-5 अंक का मूल्याधारित प्रश्न होगा।

टिप्पणी:

1 संकलित परीक्षाओं का कुल भार 60 प्रतिशत तथा रचनात्मक परीक्षाओं का कुल भार 40 प्रतिशत होगा। रचनात्मक परोक्षाओं के 40 प्रतिशत में से प्रत्येक सत्र में 5 प्रतिशत भाग (संपूर्ण वर्ष में 10 प्रतिशत) श्रवण व वाचन कौशलों के परीक्षण हेतु आरक्षित होगा। शेष 30 प्रतिशत रचनात्मक मूल्यांकन, पाठ्यचर्या के अन्य अंगों जैसे पठन, लेखन, व्याकरण, पाठ्यपुस्तक व पूरक पाठ्यपुस्तक, पर आधारित होगा। इसमें बोलने, सुनने लिखने व बोध पर आधारित मौखिक, लिखित अथवा कार्यकलापों पर आधारित किया जा सकता है।

2 **संकलित परीक्षा I (एस ए – I) 90 अंक की होगी।** 90 अंक को मूल्यांकन के पश्चात 30 अंकों में से परिवर्तित कर लिया जाएगा, तदुपरांत ग्रेड का निर्धारण किया जाएगा तथा संकलित परीक्षा **II (एस ए – II)** 90 अंक की होगी व 90 अंक का मूल्यांकन के पश्चात 30 अंकों मे से परिवर्तित करने के उपरांत ग्रेड का निर्धारण किया जाएगा।

संकलित परीक्षाओं हेतु विभाजन

खण्ड	विभाग	अंक	कुल अंक
क	1. अपठित गद्यांश-बोध	5 × 2 = 10	20
	2. अपठित काव्यांश बोध	5 ×2 = 10	
ख	व्याकरण	20	20
ग	पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग –2	30	40
	पूरक पाठ्यपुस्तक कृतिका भाग-2	10	
घ.	लेखन	10	10

कक्षा दसवीं हिन्दी 'अ' संकलित परीक्षाओं हेतु परीक्षा विनिर्देशन 2011-13

खण्ड-क : अपठित बोध

प्रश्न संख्या 1-4 20 अंक

1. दो अपठित गद्यांश (100 से 150 शब्दों के)
2. दो अपठित काव्यांश (100 से 150 शब्दों के)

उपर्युक्त गद्यांश व काव्यांश का शीर्षक का चुनाव, विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न के पाँच भाग होंगे तथा प्रत्येक भाग का एक अंक होगा।

खण्ड-ख: व्यवहारिक व्याकरण

प्रश्न संख्या 5-8 20 अंक

व्याकरण के लिए निर्धारित विषयों पर विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर चार प्रश्न पूछे जाएँगे, प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा ।

खण्ड-ग: पाठ्यपुस्तक व पूरक पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग-2 व कृतिका भाग -2

प्रश्न संख्या 9-15 40 अंक

प्रश्न संख्या 9

क्षितिज से निर्धारित पाठों में से कोई एक गद्यांश दिया जाएगा (विकल्प सहित) तथा इस पर शीर्षक का चुनाव, विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर एक प्रश्न पूछा जाएगा तथा इस प्रश्न के पाँच बहुविकल्पी भाग होंगे तथा प्रत्येक भाग का एक अंक होगा।

$(5\times1) = 5$

प्रश्न संख्या 10

'क्षितिज' से निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर एक निबंधात्मक प्रश्न होगा, जिसका कुल भार 4 अंक का होगा। यह छात्रां की विश्लेषणात्मक एंव संश्लेषणात्मक क्षमता के आकलन हेतु होगा।

(2×2) = 4

प्रश्न संख्या 11

इस प्रश्न के तीन भाग होंगे, प्रत्येक भाग लघुउत्तरीय होगा। प्रश्न निर्धारित गद्य पाठों से होगं। छात्रों की चिंतन, मनन क्षमता के मूल्यांकन के लिए होंगे। (2×3) = 6

प्रश्न संख्या 12

क्षितिज से निर्धारित कविताओं में से कोई एक काव्यांश दिया जाएगा (विकल्प सहित) तथा इस पर पाँच अतिलघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे। इन प्रश्नों का कुल भार पाँच अंक होगा । यह छात्रों की काव्य के बोध व उनकी काव्य पर स्वयं की सोच की परख करने हेतु पूछे जाएँगे। (5)

प्रश्न संख्या 13

इस प्रश्न के पाँच भाग होंगे क्षितिज से निर्धारित कविताओं के आधार पर लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक भाग दो अंक का होगा। प्रश्नों का आधार छात्रों का काव्य बोध परखने पर होगा। इस प्रश्न के कुल अंक दस होंगे।

(2×5=10)

प्रश्न संख्या 14*

पूरक पुस्तक 'कृतिका' के निर्धारित पाठों पर आधारित एक निबंधात्मक प्रश्न पूछा जाएगा। इस प्रश्न का कुल भार चार अंक होगा । यह प्रश्न छात्रों के पाठ पर आधारित अनुभवों व उनकी संवेदनशीलता को परखने के लिए होंगे। यह प्रश्न मूल्यपरक होगा। (4 अंक)

प्रश्न संख्या 15

पूरक पूस्तिका 'कृतिका' के निर्धारित पाठों पर आधारित चार में से तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न पाठ की समझ व उनकी सहज अभिव्यक्ति की क्षमता पर आधारित होगा ।

(2×3=6)

खण्ड -घ : लेखन

प्रश्न संख्या 16-17 **10 अंक**

प्रश्न संख्या 16

इस प्रश्न में संकेत बिन्दुओं पर आधारित समसायिक एवं व्यावहारिक जीवन से जुड़े हुए विषयों पर 80 से 100 शब्दों में तीन में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखने के लिए कहा जाएगा। यह अनुच्छेद विभिन्न विषयों और संदर्भो पर छात्रों के तर्कसंगत विचार पर प्रकट करन की क्षमता को परखने के लिए होंगे । (5 अंक)

प्रश्न संख्या-17

इस प्रश्न में **औपचारिक/अनौपचारिक** विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखने के लिए कहा जाएगा। यह प्रश्न अभिव्यक्ति की क्षमता पर केन्द्रित होगा ।

(5 अंक)

कक्षा दसवीं हिन्दी 'अ'-संकलित एवं रचनात्मक मूल्यांकन हेतु पाठ्यक्रम का विभाजन

क्रम. पाठ्य पुस्तक स.		**द्वितीय सत्र (अक्तूबर से मार्च)**		
		FA3 10	**FA4 10**	**SA II 30**
1	अपठित गद्यांश			√
2	अपठित काव्यांश			√
खण्ड ख				
व्याकरण		**FA3 10**	**FA4 10**	**SA II 30**
1	पद-परिचय (5 अंक)	√		√
2	वाक्य भेद: रचना के अनुसार रचनान्तरण (5 अंक)	√		√
3	वाच्य परिवर्तन (5 अंक)		√	√

4	अलंकार : अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा तथा मानवीकरण (5 अंक)		√	√
खण्ड ग				
क्षितिज भाग–2 गद्य खण्ड				
1	मन्नू भंडारी –एक कहानी यह भी	√		√
2	महावीर प्रसाद द्विवेदी –स्त्री-शिक्षा के विरोधी कुतर्को का खंडन	√		√
3	यतींद्र मिश्र–नौबत खाने में इबादत		√	√
4	भदंत आनंद कौसल्यायन–संस्कृति		√	√
काव्य खंड				
1	तुलसी दास- राम–लक्ष्मण परशुराम संवाद	√		√
2	गिरिजा कुमार माथुर –छाया मत छूना मन	√		√
3	ऋतु राज- कन्यादान		√	√
4	मंगलेश डबराल–संगतकार		√	√
कृतिका				
1	साना–साना हाथ जोड़ि मधु कांकरिया	√		√
2	एही ढैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा–शिव प्रसाद मिश्र 'रुद्र'		√	√
3	मैं क्यों लिखता हूँ–अज्ञेय		√	√
खण्ड घ				
1	पत्र लेखन	√		√
2	अनुच्छेद लेखन		√	√

पुस्तकें

1. पाठ्य पुस्तक क्षितिज भाग –2

2. पूरक पुस्तक कृतिका भाग –2

टिप्पणी:

1. रचनात्मक मूल्यांकन का अभिप्राय अधिगम के मूल्यांकन से है। इसलिए विद्यालय उपर्युक्त विभाजन का अपनी सुविधानुसार उपयोग कर सकते हैं।

2. रचनात्मक मूल्यांकन से संबंधित सभी कार्यकलाप जैसे विभिन्न प्रकार के शैक्षिक खेल, पहेली, प्रतियोगिता, परियोजना (Project), भूमिका निर्वहन (Roleplay), कहानी लेखन, नाट्य रचनांतरण (Dramatisation), आदि कक्षा में अथवा विद्यालय में करवाये जाने वाले कार्यकलाप हैं। यदि कोई ऐसा कार्यकलाप है जिसमें विद्यालय से बाहर जाकर कार्य करने की आवश्यकता पड़ती है तो ऐसी स्थिति में यह कार्य शिक्षक के पर्यवेक्षण व मार्गदर्शन में होने चाहिए।

हिन्दी (पाठ्यक्रम-अ)

2011-2013

कोड संख्या (002)

कक्षा–दसवीं

संकलित परीक्षा II

भार विभाजन

खण्ड	विभाग	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक	कुल अंक
क.	अपठित बोध				
	1. दो अपठित गद्यांश (100 से 150 शब्द)	बहुवकल्पिक	5 5	1×5=5 1×5=5	10
	2. दो अपठित काव्यांश (100 से 150 शब्द)	बहुवकल्पिक	5 5	1×5=5 1×5=5	10
					20
ख.	व्याकरण				
	पद–परिचय	अतिलघुउत्तरीय	5	1×5=5	5
	वाक्य भेद: रचना के अनुसार, रचनान्तरण (5 अंक)	अतिलघुउत्तरीय	5	1×5=5	5
	वाच्य परिवर्तन (5 अंक)	अतिलघुउत्तरीय	5	1×5=5	5
	अलंकार : अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, तथा मानवीकरण (5 अंक)	अतिलघुउत्तरीय	5	1×5=5	5
					20
ग.	पाठ्यपुस्तक व पूरकपाठ्यपुस्तक				
	पाठ्यपुस्तक – क्षितिज भाग–2 दो पठित गद्यांश (100 से 150 शब्द) में से एक	बहुवकल्पिक	5	1×5=5	5
		अतिलघुउत्तरीय	5	1×5=5	5
		लघुउत्तरीय	8	2×3=6	16

				2×5=10	
		निबंधात्मक	1	4×1=4	4
					30
	पूरकपाठ्यपुस्तक – कृतिका भाग–2 *	निबंधात्मक लघुउत्तरीय	1 3	4 2×3=6	10
					10
घ.	**लेखन**				
	80 से 100 शब्दों में **तीन** में से किसी **एक** विषय पर अनुच्छेद	निबंधात्मक	1	5×1=5	5
	औपचारिक/ अनौपचारिक विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र	निबंधात्मक	1	5×1=5	5
					10
	कुल अंक				**90**

प्रश्न पत्र में 3-5 अंक का मूल्याधारित प्रश्न होगा।

प्रश्नों के प्रकार	**प्रत्येक प्रश्न के लिए अंक**	**कुल प्रश्न**	**कुल अंक**
बहुवैकल्पिक प्रश्न	1	25	25
अति लघुउत्तरीय प्रश्न	1	25	25
लघुउत्तरीय प्रश्न	2	11	22
निबंधात्मक प्रश्न-1*	4	02	08
निबंधात्मक प्रश्न-2	5	02	10
			90

नमूना प्रश्न

हिन्दी पाठ्यक्रम - अ
(कोड संख्या - 002)
कक्षा - दसवीं

बहुवैकल्पिक प्रश्न

1 अंक

अपठित गद्यांश

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प छाँटकर लिखिए-

1x5=5 अंक

प्रत्येक सुंदर प्रभात सुंदर चीज़ें लेकर उपस्थित होता है, पर यदि हमने कल तथा परसों के प्रभात से लाभ नही उठाया तो आज के प्रभाव से लाभ उठाने की हमारी शक्ति क्षीण होती जाएगी और यही रफ़्तार रही तो फिर हम इस शक्ति को बिल्कुल ही गँवा बैठेंगे। किसी विद्वान ने ठीक ही कहा है; खोई हुई संपत्ति प्राप्त की जा सकती है, गँवाया हुआ स्वास्थ्य लौटाया जा सकता है, परंतु नष्ट किया हुआ समय सदा के लिए चला जाता है। वह बस स्मृति की चीज हो जाता है और अतीत की एक छाया-मात्र रह जाता है। संसार के महान विचारकों को चिंता रहती थी कि उनका एक क्षण भी व्यर्थ न चला जाए। हमको भी अमूल्य समय को नष्ट होने से बचाने के लिए कुछ भी उठा न रखना चाहिए। महान विचारक समय के छाटे-छोटे टुकड़ों को बचाकर जिस तरह महान हुए, हमको भी उनकी भाँति ही समय का मूल्य जानना चाहिए।

(i) 'प्रत्येक सुंदर प्रभात' का तात्पर्य है :

(क) सुंदर वस्तुओं की प्राप्ति।

(ख) सूर्योदय का समय।

(ग) सुनहरा अवसर।

(घ) जीवन के नए क्षण।

(ii) कौन-सा कथन असत्य है :

(क) बीता समय लौट सकता है।

(ख) नष्ट स्वास्थ्य पाया जा सकता है।

(ग) खोई हुई सम्पत्ति मिल सकती है।

(घ) भूली हुई जानकारी पाई जा सकती है।

(iii) अमूल्य समय को नष्ट होने से कैसे बचाया जा सकता है:

(क) महान विचारकों के बारे में पढ़कर।

(ख) प्रत्येक क्षण का सदुपयोग करके।

(ग) सपने देखकर।

(घ) कल्पना जगत में विचरण करके।

(iv) संसार के महान विचारकों को किस बात की चिंता रहती थी?

(क) संसार के लोगों की।

(ख) अपने स्वास्थ्य की।

(ग) अपनी प्रसिद्धि की।

(घ) उनका एक क्षण भी व्यर्थ न चला जाए।

(v) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है:

(क) समय का महत्व।

(ख) महान विचारक।

(ग) सुंदर प्रभात।

(घ) समय और मनुष्य।

(उत्तर संकेत)

प्रश्न–1 (i) (ग) सुनहरा अवसर।

(ii) (क) बीता समय लौट सकता है।

(iii) (ख) प्रत्येक क्षण का सदुपयोग करके।

(iv) (घ) उनका एक क्षण भी व्यर्थ न चला जाए।

(v) (क) समय का महत्त्व।

पठित गद्यांश 1x5=5 अंक

प्रश्न-2 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प छाँटकर लिखिए-

शहनाई के इसी मंगलध्वनि के नायक बिस्मिल्ला खाँ साहब अस्सी बरस से सुर माँग रहे हैं। सच्चे सुर की नेमत। अस्सी बरस की पाँचों वक्त वाली नमाज़ इसी सुर को पाने की प्रार्थना में खर्च हो जाती है। लाखों सजदे, इसी एक सच्चे सुर की इबादत में खुदा के आगे झुकते हैं। वे नमाज़ के बाद सजदे में गिड़गिड़ाते हैं-

'मेरे मालिक एक सुर बख्श दे। सुर में वह तासीर पैदा कर कि आँखों से सच्चे मोती की तरह अनगढ़ आँसू निकल आएँ। उनको यकीन है, कभी खुदा यूँ ही उन पर मेहरबान होगा और अपनी झोली से सुर का फल निकालकर उनकी ओर उछालेगा, फिर कहेगा, ले जा अमीरुद्दीन इसको खा ले और कर ले अपनी मुराद पूरी।

(i) बिस्मिल्ला खाँ को क्या कहा गया है?

(क) शहनाई वादक।

(ख) नमाज़ पढ़ने वाला।

(ग) शहनाई की मंगलध्वनि का नायक।

(घ) मंगलध्वनि का गायक।

(ii) खाँ साहब की पाँचों वक्त की नमाजें किसमें खर्च होती थीं?

(क) सच्चे सुर की माँग में।

(ख) नेमत में।

(ग) इबादत में।

(घ) सजदे में।

(iii) 'सजदा' किसे कहते हैं?

(क) नमाज़ पढ़ने को।

(ख) रियाज़ करने को।

(ग) माथा टेकने को।

(घ) दुआ माँगने को।

(iv) 'तासीर' शब्द का अर्थ है -

(क) प्रभाव।

(ख) असर।

(ग) गुण।

(घ) उपर्युक्त तोनों

(v) अमीरुद्दीन को किस बात का यकीन है?

(क) खुदा उसे अपनी झोली से सुर का फल अवश्य देगा।

(ख) वे एक अच्छे शहनाई वादक बनेंगे।

(ग) उनकी मेहनत रंग लाएगी।

(घ) उन्हें सुर की पहचान मिलेगी।

(उत्तर संकेत)

प्रश्न-2 (i) (ग) शहनाई की मंगलध्वनि का नायक।

(ii) (क) सच्चे सुर की माँग में।

(iii) (ग) माथा टेकने को।

(iv) (घ) उपर्युक्त तीनों।

(v) (क) खुदा उसे अपनी झोली से सुर का फल अवश्य देगा।

लघुउत्तरीय प्रश्न

2 अंक

प्रश्न 1 - निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए-

(क) काशी में हो रहे कौन-से परिवर्तन बिस्मिल्ला खाँ को व्यथित करते थे?

(ख) लेखिका मन्नू भंडारी अपनी माँ को अपना आदर्श क्यों नहीं बना सकी?

उत्तर संकेत

प्रश्न 1

क. (i) काशी से संगीत, साहित्य, अदब की सारी परंपराएँ लुप्त हो रही है।

(ii) संगतकारों के लिए गायकों के मन में आदर की कमी।

(iii) काशी-मक्का महाल से मलाई बरफ गायब होती जा रही है।

(iv) देशी घी की बनी कचौड़ी, जलेबी मिलनी कम हो गई।

ख. (i) माँ अनपढ़ थी।

(ii) पति की हर ज्यादती को अपना प्राप्य समझ सहन करती थी।

(iii) माँ बच्चों की हर उचित-अनुचित इच्छा पूर्ण करती थी।

(iv) माँ दब्बू स्वभाव की थी।

(v) माँ ने अपने लिए कुछ नहीं माँगा, बस दिया ही दिया।

अतिलघुउत्तरीय प्रश्न

व्यावहारिक व्याकरण **1 अंक**

प्रश्न 1.

I. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए- (1×5=5)

(क) <u>हम</u> आज भी अपने देश पर प्राण न्यौछावर करने हेतु तैयार रहते हैं।

(ख) मैं <u>सो रहा था</u>।

(ग) हर्षिता <u>दसवीं</u> कक्षा में पढ़ती है।

(घ) <u>भूषण</u> वीर रस के कवि थे।

(च) <u>गाँधीजी</u> ने अहिंसा का पाठ पढ़ाया।

II . निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार बताइए- (1×5=5)

(क) मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

(ख) मैया मैं तो चंद्र खिलौना लैहों।

(ग) रघुपति राघव राजा राम।

(घ) तब तो बहता समय शिला-सा जम जाएगा।

(च) ताही अहीर की छोहरियाँ, छछिया भर छाछ पे नाच नचावें।

उत्तर संकेत

प्रश्न 1.

I. (क) हम - उत्तमपुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।

(ख) सो रहा था- अकर्मक क्रिया, संयुक्त क्रिया, भूतकाल, पुल्लिंग, एकवचन।

(ग) दसवीं - निश्चित संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कक्षा' विशेष्य का विशेषण।

(घ) भूषण - व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक।

(च) गाँधीजी - व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक।

II. (क) मानवीकरण अलंकार।

(ख) रूपक अलंकार।

(ग) अनुप्रास अलंकार।

(घ) उपमा अलंकार।

(च) अनुप्रास अलंकार।

निबंधात्मक प्रश्न

पत्र-लेखन **5 अंक**

आपके क्षेत्र में सफाई कर्मचारी ठीक तरह से काम नहीं कर रहे हैं। अपने क्षेत्र में गंदगी एवं बीमारी फैलने की सूचना देते हुए नगर-निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।

अनुच्छेद-लेखन 5 अंक

दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए -

'मधुर वचन है औषधि, कटुक वचन है तीर'

- सूक्ति का अर्थ व वाणी का महत्त्व
- विभिन्न उदाहरण
- कटु वाणी का नकारात्मक प्रभाव
- मधुर वाणी का सकारात्मक प्रभाव

मूल्यपरक प्रश्न

प्रश्न – हमारी आज़ादी की लड़ाई में समाज के उपेक्षित माने जाने वाले वर्ग का योगदान कम नहीं रहा। 'एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा' पाठ के आधार पर उत्तर दे कि ऐसे लोगों के योगदान को लेखक ने किन मूल्यों पर आंकलित किया है।

4 अंक

उत्तर संकेत

निम्न की तरह कोई चार बिन्दु

1. राष्ट्रस्मिता से जुड़ाव
2. राष्ट्र स्वाभिमान के आवाहन को स्वीकारना
3. राष्ट्र आन्दोलन में सक्रिय सहभागिता
4. संकुचित से व्यापक की प्रेरणा